

बोले साईं का एक तारा

बोलो साईं का एक तारा तुनक तुनक तुनक तुन,
का ध्यान है मन में तेरा जरा ले सुन सुन सुन
क्यों संकट से गबराए शिर्डी दर क्यों नहीं आये,
समज ले धुन धुन धुन.....

उपर वाला वहा पे बेठा है रे बनके जोगी,
वाहा पे जाते है दुनिया के सारे मन के रोगी,
सब छोड़ के दुःख के कांटे खुशियों के फूल उठाते,
ले तू भी चुन चुन चुन....

उसका दर है इसा कोई संकट वाहा न ठहरे,
चारो दिशाओं में उसके तो आँखों के है पहरे,
सब छोड़ के दुनिया दारी बस आज तू एक वारी,
ले राहे चुन चुन चुन...

साईं जी का एक तारा कब से तुझसे बोले,
अपनी किस्मत खोल वाहा वो सबकी किस्मत खोले,
नहीं उस जैसा कोई दानी ये बात सभी ने मानी,
तू सपने भुन भुन भुन....

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4137/title/bolo-sai-ka-ek-taara-kaha-dhyan-hai-man-me-tera->

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |